

07/3/24

इसलिए वही वारीगत अगुफ (पिच) भाव  
 लज्जा है गरी। इसलिए वही वारीगत  
 अथवा वारीगत स्वयं उपा (पिच)  
 नही हुरी अथः प्राउ फा अदम हाजरी  
 अदम पकी से खारी विच जाल  
 है। पत्राली फाला सुभा एक  
 गम्ब ले कम हो।

(बीनू देवल)  
 सहायक कलक्टर एवं  
 उपखण्ड अधिकारी  
 सोनीडगढ़ (राज.)